आज की नारी किसी भी मामले में पीछे नहीं: डा. सुमेधा

अमरोहा(विधान केसरी)। जेएस हिन्दू पीजी कॉलेज के अभिनन्दन जैन सभागार में समाजशास्त्र तथा अंग्रेजी अध्ययन एवं शोध विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नारी मुक्ति तथा जेंडर संवेदनशीलता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन व वेद मन्त्रोच्चार के साथ हुआ। मुख्य वक्ता आकाश के. अग्रवाल ने ट्रांसजेंडर के विषय पर बोलते हुए कहा कि समाज को मर्दानगी की तलाश व्यक्ति के लिंग में न कर व्यक्ति के कर्मों में करनी चाहिए। अपनी सोच बदलनी होगी। ट्रांसजेंडर को लैंगिक आधार पर सामाजिक असमानता का जो दंश झेलना पड़ता है, उसके समाधान के लिए समाज को अपनी सोच बदलने की जरूरत है। विशिष्ट अतिथि दीपा अर्द्धनारीश्वर एम्पावरमेन्ट फाउंडेशन अध्यक्ष रीना राय ने कहा कि मैं एक नारी हूँ, और नारी ही संतानों को जन्म देती है, इसीलिए मैं ट्रांसजेंडर को हमेशा मातृत्व के भाव से ही देखती हूँ। मुख्य अतिथि श्रीमद दयानन्द कन्या गुरुकुल महाविद्यालय चोटीपुरा प्राचार्या डॉ. सुमेधा ने नारी सशक्तिकरण पर अपने विचार रखते हुए बालिका शिक्षा की पुरजोर वकालत की। उन्होंने यह भी कहा कि आज की नारी किसी भी मामले में पीछे नहीं है। आज की नारी समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहरा रही है। उन्होंने वैदिक ग्रन्थों में वर्णित नारी विषयक वृतांतों को भी

अपने वक्तव्य में सम्मिलित किया। महाविद्यालय की प्रबंध समिति मंत्री योगेश कुमार जैन ने कहा कि समाज की प्रगति और विकास में हमेशा से ही नारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। डॉ. संजय शाही अध्यक्ष, भूगोल विभाग ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन तथा डॉ अनुराग पांडेय ने स्वागत भाषण किया। साथ ही महाविद्यालय की छात्राओं ने संस्कृत में स्वागत गीत भी प्रस्तुत किया। इस दौरान डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. राजन लाल, नागेंद्र प्रसाद मौर्य, डॉ. मोहम्मद तारिक, पूर्व प्राचार्य सुधांशु शर्मा, डॉ नवनीत बिश्नोई डॉ.बीना रुस्तगी, डॉ. बबलू सिंह, डॉ.हरेंद्र कुमार, हिमांशु शर्मा, ज्ञानेश कुमार वर्मा, जितेंद्र कुमार वर्मा, डॉ.पीयूष कुमार शर्मा, मयंक अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

मै एक नारी हूं , नारी ही संतानों को जन्म देती ह, इसलिए मै हमेशा ट्रांस जैंडर को मातृत्व के भाव से ही देखती हूं: रीना राय

हुकूमत एक्सप्रेस

अमरोहा। अमरोहा के जेएस हिन्दू पीजी कालेज के सभागार में समाजशास्त्र तथा अंग्रेजी अध्ययन एवं शोध विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आज नारी मुक्ति तथा जेंडर संवेदनशीलता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय गोष्टी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का शुभारम्भ मा सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर तथा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत प्रस्तुत किये गये, इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में डा0 अनुराग कुमार अस0 प्रोफे0 समाजशास्त्र विभाग द्वारा आगांतुक मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि व शिक्षकों एवं प्रतिभागियों के सम्मान में स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया गया। गोष्ठी के मुख्य वक्ता आकाश के अग्रवाल, टेडक्स स्पीकर द्वारा टांसजेंडर के विषय पर अपनी बात कहते हुए कहा गया कि समाज को मर्दानगी की तलाश व्यक्ति के लिंग में न कर व्यक्ति के कर्मो में तलाशनी चाहिए। लोगों को अपनी सोच बदलनी होगी। ट्रांस

जैंडर को लैंगिक आधार पर सामाजिक असमानता को जो दंस झेलना पड़ता है। उस पर समाज को अपनी सोच बदलनी होगी, हमें साथ में मिलकर इस मुददे पर व्यापक चर्चा करनी होगी, क्योंकि यह सामाजिक विचार विमर्श बहुत ही महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय है, समाज को अपनी सोच बदलने की जरूरत है कि वो ट्रांस जैंडर को इंसान के रूप में देखे न कि लैंगिक विभेद के आधार पर। गोष्ठी की विशिष्ट अतिथि रीना राय जो कि दीपा, अर्धनारेश्वर एम्पावरमेंट फाउंडेशन नई दिल्ली की संस्थापक व अध्यक्ष भी है। इन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मै नारी हूं और नारी ही संतानों को जन्म देती है। इसलिए मैं ट्रांस जेंडर को हमेशा मातृत्व के भाव से ही देखती हूं। श्रीमती राय बहुत लम्बे समय से ट्रांस जेंडर से जुड़े विषयों एवं उनके अधिकारों को लेकर बेहद संजीदगी के साथ कार्य कर रही हैं। प्रतिभागियों द्वारा गोष्ठी से जुड़े विषय पर शोधपत्रों/ पेपर प्रस्तुतिकरण किया गया। गोष्ठी में मुख्य अतिथि की भूमिका का निर्वहन कर रहीं श्रीमद दयानंद कन्या गुरूकुल महाविद्यालय चोंटीपुरा की प्राचार्या डा0 सुमेधा ने नारी सशक्तिकरण पर अपने विचार रखते हुए बालिका शिक्षा की पुठजोड़ वकालत की और कहा कि आज की नारी किसी मामले में पीछे नहीं है। आज की नारी प्रत्येक क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहरा रही है। उन्होंने वैदिक ग्रन्थों में वर्णित नारी विष्यक व्रतांतों को भी अपने वक्तव्य में शामिल किया। आज की गोष्ठी के संरक्षण महाविद्यालय प्रबंध समिति के मंत्री योगेश जैन ने कहा कि समाज की प्रगति और विकास में नारी का हमेशा महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके बाद महाविद्यालय की संस्कृति समिति के द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में स्वतंत्रता संग्राम में अमरोहा जिले के स्वतंत्रता सेनानियों का सफरनामा विषयों पर तैयार किये गये डाक्यूमेंटरी का प्रस्तुतिकरण किया गया। अंत में गोष्ठी के संयोजक डा0 संजय शाही ने सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। गोष्ठी का संचालन डा0 मौहम्मद तारिक अस0 प्रोफे0 अंग्रेजी विभाग द्वारा किया गया। गोष्ठी में ज्ञानेश कुमार वर्मा, अस0 प्रो0 समाजशास्त्र विभाग, तथा डा0 नागेन्द्र मौर्य अस0 प्रो0 अंग्रेजी विभाग ने किया। गोष्ठी में महाविद्यालय के समस्त विभागाध्यक्ष एवं समस्त शिक्षक, शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।

आज प्रत्येक क्षेत्र में नारी लहरा रही है परचम : डॉ सुमेधा

जेएस हिंदू पीजी कालेज में 'नारी मुक्ति तथा जेंडर संवेदनशीलता' पर संगोष्ठी

संवाद न्यूज एजेंसी

अमरोहा। गुरुकुल चोटीपुर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.सुमेधा ने कहा कि आज की नारी किसी भी मामले में पीछे नहीं है। नारी समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहरा रही है।

बृहस्पतिवार को जेएस हिंदू पीजी कॉलेज के अभिनंदन जैन सभागार में समाज शास्त्र, अंग्रेजी अध्ययन एवं शोध विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'नारी मुक्ति तथा जेंडर संवेदनशीलता' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमद् दयानन्द कन्या गुरुकुल महाविद्यालय चोटीपुरा की प्राचार्या डॉ.सुमेधा ने नारी सशक्तीकरण पर बोलते हुए बालिका शिक्षा की पुरजोर वकालत की।मुख्य वक्ता आकाश के अग्रवाल ने ट्रांसजेंडर के विषय पर बोलते हुए कहा कि समाज को मर्दानगी की तलाश व्यक्ति के लिंग में न कर व्यक्ति के कर्मों में करनी चाहिए। अपनी सोच बदलनी होगी। ट्रांसजेंडर को लैंगिक आधार पर सामाजिक असमानता का जो दंश झेलना पड़ता है, उसके समाधान के लिए समाज को अपनी सोच बदलने की जरूरत है।

योगेश कुमार जैन ने कहा कि समाज की प्रगति और विकास में हमेशा से ही नारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जिनमें डॉ.अरविंद कुमार सहायक आचार्य संस्कृत विभाग, डॉ.राजन लाल एवं नागेंद्र प्रसाद मौर्य प्राध्यापक अंग्रेजी विभाग तथा डॉ.संजय जौहरी, केजीके कॉलेज मुरादाबाद के शोध पत्र उल्लेखनीय रहे। मंच संचालन डॉ.मोहम्मद तारिक ने किया। इस दौरान डॉ.संजय शाही, डॉ.अनुराग पांडेय, पूर्व प्राचार्य सुधांशु शर्मा, डॉ.नवनीत विश्नोई, डॉ.बीना रुस्तगी, डॉ.बबलू सिंह, डॉ.हरेंद्र कुमार, हिमांशु शर्मा, ज्ञानेश कुमार वर्मा, जितेंद्र कुमार वर्मा, डॉ.पीयूष कुमार शर्मा, मयंक अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

मैं ट्रांसजेंडर को हमेशा मातृत्व के भाव से ही हूँ देखती: रीना राय

खास बात

डॉ0 सुमेधा ने की बालिका शिक्षा की पुरजोर वकालत

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

अमरोहा। जगदीश सरन हिन्दू पीजी कॉलेज अमरोहा के सभागार में समाजशास्त्र और अंग्रेजी अध्ययन एवं शोध विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नारी मुक्ति और जेंडर संवेदनशीलता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना और स्वागत गीत का ओजस्वी पूर्ण तरीके से प्रस्तुतिकरण किया गया।

गुरूवार को जेएस डिग्री कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ0 अनुराग कुमार पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग द्वारा आगंतुक विशिष्ट एवं मुख्य अतिथि, शिक्षकों एवं प्रतिभागियों के सम्मान में स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता आकाश के अग्रवाल, टेड्क्स स्पीकर द्वारा ट्रांसजेंडर के विषय पर अपनी बात कहते हुए कहा कि समाज को मर्दानगी की तलाश व्यक्ति के लिंग में न कर व्यक्ति के कर्मों में तलाशनी चाहिए। अपनी सोच बदलनी होगी। ट्रांसजेंडर को लैंगिक आधार पर सामाजिक असमानता का जो दंश झेलना पड़ता है। उस पर समाज को अपनी सोच बदलनी होगी। हमें साथ में मिलकर इस मुद्दे पर एक व्यापक स्तर पर चर्चा करनी होगी। क्योंकि यह सामाजिक विमर्श का बहुत ही महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय है। समाज को अपनी सोच बदलने की जरूरत है कि वो ट्रांसजेंडर को इंसान के रूप में देखें, न कि लैंगिक विभेद के आधार पर।

संगोष्ठी की विशिष्ट अतिथि दीपा अर्द्धनारेश्वर एम्पावरमेन्ट फाउंडेशन, नई दिल्ली की संस्थापक एवं अध्यक्ष रीना राय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं एक नारी हूँ, और नारी ही संतानों को जन्म देती है। इसलिए मैं ट्रांसजेंडर को हमेशा मातृत्व के भाव से ही देखती हूँ। श्रीमती राय काफी लंबे समय से ट्रांसजेंडर से जुड़े विषयों और उनके अधिकारों को लेकर बेहद संजीदगी से कार्य कर रही हैं। प्रतिभागियों द्वारा संगोष्ठी से जुड़े विषय पर शोध पत्रों, पेपर प्रस्तुतीकरण किया गया।

संगोष्ठी में मुख्य अतिथि की भूमिका का निर्वहन कर रही श्रीमद दयानन्द कन्या गुरुकुल महाविद्यालय चोटीपुरा की प्राचार्या डॉ0 सुमेधा ने नारी सशक्तिकरण पर अपने विचार रखते हुए बालिका शिक्षा की पुरजोर वकालत की। उन्होंने यह भी कहा कि आज की नारी किसी भी मामले में पीछे नहीं है। आज की नारी समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहरा रही है। उन्होंने वैदिक ग्रन्थों में वर्णित नारी विषयक वृतांतों को भी अपने वक्तव्य में सम्मिलित किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के संरक्षक महाविद्यालय की प्रबंध समिति के मंत्री योगेश कुमार जैन ने कहा कि समाज की प्रगति और विकास में हमेशा से ही नारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके बाद महाविद्यालय की संस्कृति समिति के द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में स्वतंत्रता संग्राम में जनपद अमरोहा (सेनानियों का सफरनामा) विषय पर तैयार की गई डाक्यूमेन्टरी का प्रस्तुतिकरण भी किया गया। अंत में संगोष्ठी के संयोजक डॉ0 संजय शाही, अध्यक्ष, भूगोल विभाग ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। संगोष्ठी में उत्कृष्ट मंच संचालन डॉ0 मोहम्मद तारिक, असिस्टेंट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग द्वारा किया गया। संगोष्ठी की रिपोर्टिंग श्री ज्ञानेश कुमार वर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, अंग्रेजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ० नागेंद्र प्रसाद मौर्य ने किया।

इस दौरान संगोष्ठी में महाविद्यालय के समस्त विभागाध्यक्ष, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।